मध्यप्रदेश विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद्

दिनांक 06 मई 2008 को सम्पन्न हुई कार्यकारी समिति की 47 वीं बैठक का कार्य–विवरण

मध्यप्रदेश विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद् की कार्यकारी समिति की 47 वीं बैठक दिनांक 06.05.2008 को डॉ. महेश शर्मा, अध्यक्ष, कार्यकारी समिति की अध्यक्षता में विज्ञान भवन के एक्जीक्यूटिव चेम्बर में सम्पन्न हुई। बैठक में निम्नलिखित उपस्थित हुएः

- डॉ. महेश शर्मा, कार्यकारी अध्यक्ष एवं महानिदेशक
- श्री इन्द्रनील शंकर दाणी, प्रमुख सचिव, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग
- प्रोफेसर राधारमण दास
- डॉ. ए.डी.एन.बाजपेयी
- श्री टी.जी.के. मेनन
- डॉ. अजय नारंग
- श्री शिवकुमार शर्मा
- श्री पंकज सक्सेना, प्रतिनिधि, उद्योग विभाग
- डॉ. विमल कुमार शर्मा, संयुक्त संचालक (प्रशा) – संयोजक

अन्य उपस्थित अधिकारीः

- डॉ. एन.एन. मेहरोत्रा, कार्यकारी संचालक
- डॉ. एन.पी.शुक्ला, परियोजना संचालक
- डॉ. एस. खान, प्रोजेक्ट कन्सलटेन्ट
- श्री अंजनी कुमार, उप संचालक (वित्त)
- श्री व्ही.के.दुबे, सहायक संचालक (लेखा)
- डॉ. सरोज बोकिल, वैज्ञानिक

डॉ. आर.के.सिंह
कार्यकारी संचालक
म.प्र.वि.एवं प्रौद्यो.परि.,भोपाल

बैठक में उपस्थित सदस्यों के स्वागत के साथ बैठक की कार्यसूची पर चर्चा आरंभ हुई।

(क) 1. कार्यकारी समिति की 46 वीं बैठक की कार्यवाही की संपुष्टि।

समिति द्वारा पुष्टि की गई।

(कं) 2. कार्यकारी समिति की 46 वीं बैठक का पालन प्रतिवेदन।

समिति द्वारा जानकारी ग्राहय की गई।

कार्यसूची क्रमांक (क) 3 विगत बैठक के बाद की प्रमुख गतिविधियां एवं उपलब्धियां।

समिति द्वारा जानकारी ग्राहय की गई।

कार्यसूची क्रमांक (ख) 4 वर्ष 2008–09 की वार्षिक कार्ययोजना एवं बजट विवरणः

निम्नलिखित सुझाव के साथ कार्ययोजना को सहमति दी गई :

- बायो–डायवर्सिटी एटलस में Microbes का डेटा भी शामिल करने का सुझाव दिया गया।
- कार्यकारी समिति की अगली बैठक में यात्रा अनुदान दिये गये व्यक्तियों की सूची एवं उनके द्वारा कान्फ्रेन्स में प्रस्तुत किये जाने वाले शोध के विषय से समिति को अवगत कराने हेतु निर्देश दिये गये।
- परिषद् द्वारा स्वीकृत सभी परियोजनाओं का ब्यौरा समिति के समक्ष प्रस्तुत किया जावे।
- परिषद् को अपनी विश्वसनीयता बनाये रखने हेतु इस बात का ध्यान रखना होगा कि केन्द्र सरकार द्वारा सहायता प्राप्त परियोजना की अनुदान राशि का समय–सीमा में उपयोग सुनिश्चित किया जावे।
- उत्कृष्टता मिशन कार्यक्रम 2008–09 के लिए स्कूल के बच्चों के अलावा विज्ञान स्नातक/स्नातकोत्तर छात्रों को भी एक सीमा तक छात्रवृत्ति हेतु चयन करने के सुझाव को इस टीप के साथ मान्य किया गया कि ऐसे स्नातक/स्नातकोत्तर छात्रों को मूल विज्ञान (बेसिक साइन्स) के क्षेत्र को ही भविष्य का उद्देश्य बनाना होगा।

डॉ. आर. के. सिंह
कार्यकारी संचालक
म.प्र.वि.एवं प्रौद्यो.परि.,भोपाल

- प्रदेश में बढती हुई गन्ने की पैदावार को देखते हुए गन्ने में शक्कर की मात्रा की जांच हेतु प्रयोगशाला सुविधा उपलब्ध कराने का सुझाव दिया गया।

- जैविक खाद की जांच हेतु भी प्रयोगशाला की सुविधा की आवश्यकता महसूस की गई।

- प्रदेश के उत्कृष्ट किसानों को खेती से संबंधित नवीन अविष्कारों से अवगत कराने का प्रस्ताव भी रखा गया।

- परिषद् में होने वाली गतिविधियों की जानकारी जन सामान्य तक पहुँचाने हेतु समाचार पत्रों व मीडिया जैसे रेडियों आदि पर प्रायोजित विज्ञापन देकर प्रचार–प्रसार करने का सुझाव दिया गया, जिससे कि अधिक से अधिक लोग इसका लाभ उठा सकें।

- विज्ञान के अध्यापकों को विज्ञान प्रचार–प्रसार योजना के अन्तर्गत उनकी क्षमता विकास का कार्य किया जावे जिससे कि वह अपने छात्रों को विज्ञान के विषय में अधिक रूचि पैदा कर उनमें भविष्य का वैज्ञानिक बनने का विचार रोपित कर सकें। ऐसे चुनिंदा अध्यापकों को परिषद् द्वारा सम्मानित भी किया जाये।

- जैविक ईंधन के उत्पादन को अधिक से अधिक बढ़ाने हेतु विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी का समावेश करने का सुझाव भी दिया गया।

- दुग्ध में हो रही मिलावट को देखते हुए व कृत्रिम दूध के प्रकरण के निराकरण हेतु एक सरल वैज्ञानिक विधि विकसित करने की आवश्यकता को देखते हुए परिषद् द्वारा विधि विकसित करने का सुझाव दिया गया।

कार्यसूची क्रमांक (ग) 5 वित्तीय वर्ष 2007–08 की प्राप्तियों एवं व्ययों का विवरण।

विवरण प्रस्तुत किया गया।

24.5.08

(डॉ. विमल कुमार शर्मा)
संयुक्त संचालक (प्रशासन)
संयोजक

24/5/08

(डॉ. महेश शर्मा)
अध्यक्ष, कार्यकारी समिति

डॉ. आर.के. सिंह
कार्यकारी संचालक
म.प्र.वि.एवं प्रौद्यो.परि., भोपाल